दिया जाता है तथा डिग्रियां प्रदान की जाती हैं ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच०के० एल भगत) : (क) गत तीन वर्षों के दौरान फिल्म प्रभाग द्वारा निर्मित वृत्तचित्रों तथा समाचार चित्रों की संख्या इस प्रकार है:–

वर्ष	निर्मित वृत्तचित्र/ समाचार चित्र
1985 . . .	117
1986 . . .	110
1987 . . .	133

(ख) बड़ी संख्या में स्वतंत्र बाहरी निर्माताओं ने गत तीन वर्षों के दौरान फिल्म प्रभाग के लिये वृत्त चित्र बनाये हैं । इसके निर्माण का लगभग 40 प्रतिशत, विशेषकर उन फिल्मों जिनको विभिन्न मंत्रालयों द्वारा वित्तपोषित किया जाता है, को हर वर्ष बाहरी निर्माताओं को सौंपा जाता है । तथापि, उनमें से 10 के नाम निम्न प्रकार हैं:—

1. श्री अदूर गोपालकृष्ण
2. श्री जी. अरविन्दन
3. श्री गौतम घोष
4. डा. जब्बार पटेल
5. श्री मणि कौल
6. श्री प्रकाश झा
7. श्री रमेश शर्मा
8. श्री सत्यजीत रे
9. श्री श्याम बेनेगल
10. श्री विनोद चोपड़ा

(ग) इन फिल्मों की शूटिंग देश भर में तथा विदेश में भी कई स्थानों पर की गई है । शूटिंग के स्थानों के लिये चयन फिल्मों के विषय तथा आलेख पर निर्भर करता है । तथापि, निर्माण के बाद का कार्य फिल्म, प्रभाग, मुख्यालयों तथा बम्बई, दिल्ली, कलकत्ता और बंगलौर के अन्य निर्माण केन्द्रों पर किया जाता है ।

(घ) इस प्रकार के संस्थानों का कोई रिकार्ड नहीं रखा जाता । तथापि, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधीन भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे फिल्म निर्माण की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण देते हैं तथा डिप्लोमा प्रदान करते है ।

हिन्दी और अंग्रेजी के आशुलिपिकों की वरिष्ठता

1250. श्रीमती वीणा वर्मा : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आकाशवाणी की समाचार सेवा में हिन्दी के आशुलिपिकों को अंग्रेजी के आशुलिपिकों की वरिष्ठता सूची से अलग कर दिया गया है जबकि गृह मंत्रालय के आदेशों के अनुसार अंग्रेजी और हिन्दी दोनों ही भाषाओं के आशुलिपिकों के लिये एक ही वरिष्ठता सूची रखी जानी चाहिये; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या ऊपर लिखित विभाग में हिन्दी के आशुलिपिकों को अंग्रेजी के आशुलिपिकों के समान हिन्दी आशुलिपिक ग्रेड 1 में या रिपोर्टर के पद पर पदोन्नत किया जाता है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच.के. एल. भगत) : (क) जी, नहीं । प्रारंभ से ही अंग्रेजी

और हिन्दी आशुलिपिकों की वरीयता सूची अलग से रखी जा रही है । आकाशवाणी के अधीनस्थ कार्यालयों में अंग्रेजी और हिन्दी आशुलिपिकों के भर्ती नियम भी पृथक है । ऐसा कार्यात्मक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये है।

(ख) और (ग) जी, नहीं । हिन्दी आशुलिपिकों को हिन्दी आशुलिपिक ग्रेड–। या रिपोर्टर के पद पर पदोन्नति नहीं किया जाता क्योंकि आशुलिपिक ग्रेड–। (हिन्दी) या रिपोर्टर (हिन्दी) के कोई पद नहीं हैं । वर्तमान में समाचार सेवा प्रभाग द्वारा विश्व के रेडियो स्टेशनों विदेशी प्रसारणों की मानीटरिंग केवल अंग्रेजी और कुछ विदेशी भाषाओं में की जाती है ।

Surplus staff in ITDC Hotels

1251. SHRI K. GOPALAN:

SHRI A. G. KULKARNI:

SHRI V. GOPALSAMY:

Will the Minister of TOURISM be pleased to state;

<a) the number of employees and officials employed in each unit/hotel and division of india Tourism Development Corporation during the last three years, yearwise;

(b) what are the names of the untis/ hotels] divisions having surplus employees! officials as against (heir respective strength;

(c) whether there is any proposal scheme to retrench surplus, aged and in effective staff and officials known as golden hand-shake if so, the details of the scheme and by when it is likely to be implemented; and

(d) if the answers to part (c) be in negative, what steps are being taken to render non profit making units/hotels|division.

profitable in the near 'future in case of each units|hotels|divisions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY' OF TOURISM (SHRI GIRIDHAR GOMANGO): (a) The requisite information is given in the enclosed statement I and II . (See below).

(b) There are no surplus employees in any of the units|hotels|divisions of the ITDC.

(c) Presently ITDC does not have any 'Golden handshake Scheme'.

(d) The following steps have been taken by ITDC to improve its profitability:—

(1) ITDC has constituted a Committee to inspect the Hotels and adopt on the spot remedial measures. The Committee's recommendations include defreezing of posts, reduction of overtime reduction of sundry debtors food cost control, evolving of marketing strategy for better capacity utilisation including minor and major Tenovations etc.;

(2) Entering into marketing and reservation tie-ups by ITDC with travel agencies abroad;

(3) Participation in travel trade forums to promote ITDC properties;

(4) Greater thrust in advertising;

(5) Offering incentives in the shape of discounts;

(6) Exercising strict control over expenditure;

(7) Product improvement;

(8) Introduction of special package tours for promoting domestic tourism; .

(9) Reorganisation of travel agency functions with transport activity;

(10) Closure of uneconomic operations and transfer of vehicles at other locations for better deployment, etc.